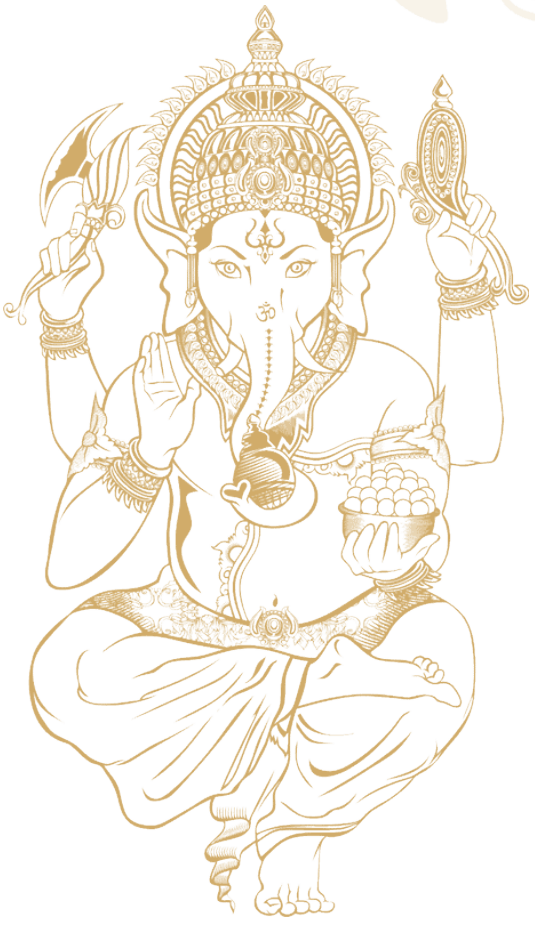

Sadik Kundra

Girl

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121254203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/12/2002	जन्म तिथि	11-12/11/2004
सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	02:16:00 घंटे
घटी 00:18:45	जन्म समय(घटी)	48:34:31 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Ludhiana
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:07:30	सूर्योदय	06:50:11
17:24:16	सूर्यास्त	17:30:52
23:53:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 6वर्ष 8मा 12दि	16:32:47	वृश्चि	लग्न	सिंह	26:18:15	राहु 5वर्ष 5मा 9दि
शनि	15:48:00	वृश्चि	सूर्य	तुला	25:53:06	गुरु
15/08/2025	15:02:09	तुला	चंद्र	तुला	15:58:03	23/04/2010
14/08/2044	06:24:36	तुला	मंगल	तुला	06:30:35	23/04/2026
शनि 17/08/2028	25:42:00	वृश्चि	बुध	वृश्चि	16:08:58	गुरु 10/06/2012
बुध 28/04/2031	24:12:06	कर्क	गुरु	कन्या	15:56:48	शनि 23/12/2014
केतु 05/06/2032	08:21:51	तुला	शुक्र	कन्या	22:55:05	बुध 29/03/2017
शुक्र 06/08/2035	02:58:02	मिथु व	शनि व	कर्क	03:24:33	केतु 05/03/2018
सूर्य 18/07/2036	14:48:15	वृष	राहु व	मेष	08:13:30	शुक्र 03/11/2020
चन्द्र 16/02/2038	14:48:15	वृश्चि	केतु व	तुला	08:13:30	सूर्य 23/08/2021
मंगल 28/03/2039	01:20:37	कुंभ	हर्ष	कुंभ	08:57:00	चन्द्र 23/12/2022
राहु 01/02/2042	14:48:12	मक	नेप	मक	18:46:49	मंगल 28/11/2023
गुरु 14/08/2044	23:15:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	26:57:55	राहु 23/04/2026

लग्न-चलित

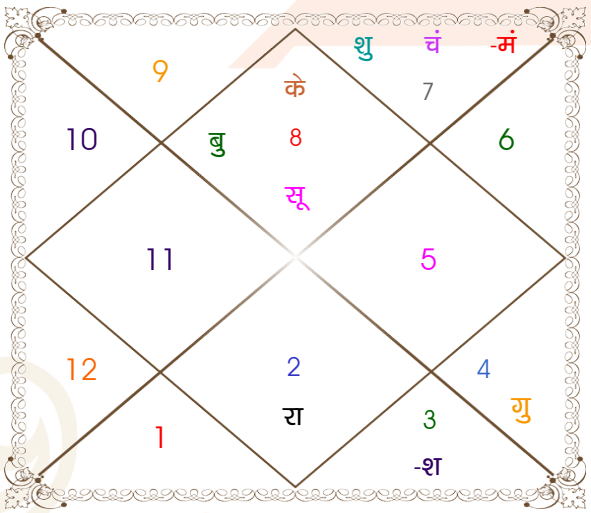

लग्न-चलित

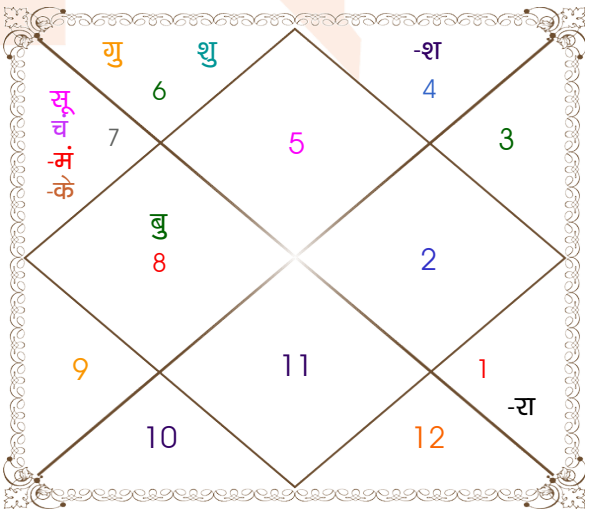

Leo AstroApt
Near Bcm School opposite Hi care Hospital Basant Avenue Dugri Ludhiana Punjab India
9041009000,7240001008,8010000138
deepakmishra131313@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Sadik Kundra का वर्ग मृग है तथा ळपतस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sadik Kundra और ळपतस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sadik Kundra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sadik Kundra कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Sadik Kundra कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळपतस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ळपतस कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळपतस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sadik Kundra तथा ळपतस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।